महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड में विश्व हिंदी दिवस-सह-राजभाषा सेमिनार सम्पन्न

दिनांक 10.01.2018 को महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड में विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर राजभाषा सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता श्री बी.सी.त्रिपाठी,महाप्रबंधक(प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान/ राजभाषा/मासंवि),एमसीएल ने की। इस अवसर पर इनके अलावा विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रोफेसर के.पी. गुप्ता,पूर्व विभागाध्यक्ष (हिंदी),जी.एम. कालेज,संबलपुर, मुख्य वक्ता डॉ जयंत कर शर्मा,रजिस्ट्रार,ओडिशा राज्य मुक्त विश्वविद्यालय, संबलपुर एवं सम्मानित अतिथि स्वरूप डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा,हिंदी प्राध्यापक,हिंदी शिक्षण योजना,गृह मंत्रालय,भारत सरकार तथा मुख्यालय के विभागाध्यक्षगण एवं क्षेत्रों के नामित राजभाषा अधिकारी /राजभाषा सहायकगण कार्यक्रम में उपस्थित हुए।

मंगलदीप प्रज्जवलन के साथ सेमिनार प्रारंभ हुआ। श्री बी.सी.त्रिपाठी,महाप्रबंधक(प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान/ राजभाषा/मासंवि),एमसीएल द्वारा अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया गया एवं विश्व हिंदी दिवस एवं वैश्विक स्तर पर राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के संबंध में अपने विचार प्रस्तुत किए।

विशिष्ट अतिथि प्रो. गुप्त ने हिंदी के राष्ट्रभाषा बनने में बाधा बननेवाली घटनाओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा ऐसे आयोजनों से राष्ट्रभाषा एवं राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार में सहयोग मिलेगा। हम सभी को हिंदी की अहमियत को समझना चाहिए तभी तो इसे विश्व भाषा बनाने का हमारा दावा और अधिक मजबूत होगा। अंत में उन्होंने स्वरचित हिंदी रुवाइयां भी प्रस्तुत की।

मुख्य वक्ता डॉ. जयन्त कर शर्मा ने अपने सारगर्भित वक्तव्य में हिंदी की महत्ता एवं आज के दौर में वैश्विक स्तर पर इसकी प्रयोजनमूलकता पर प्रकाश डाला। हिंदी हमारे देश के हर लोगों के लिए एकमात्र संपर्क की भाषा है जो स्वयं अपनी गति से चल कर सफलता की बुलंदियों तक पहुँचा है, सिर्फ उचित समय की अपेक्षा है जब हिंदी यूएनओ की भाषा भी बनेगी इसमें कोई दो मत नहीं। अपने देश एवं विदेशों में लोग अपनी आवश्यकतावश इसे अपनाने को बाध्य हैं क्योंकि इसकी सरलता, वैज्ञानिकता एवं माधुर्य अन्य किसी भाषाओं में नहीं है। हिंदी भाषा के कारण विदेशों में हमारी प्रतिष्ठा बढ़ी है। हमें अपनी भाषा पर गर्व है, जो स्वत: विकास के पथ पर अग्रसर है।

डॉ. शर्मा ने बड़े ही सुंदर लहजे में हिंदी की विकास यात्रा की ऐतिहासिक पृष्ठ भूमि की व्याख्या करते हुए रोमानिया एवं रोमा समुदाय,इंडो-यूरोनियन भाषा के साथ सुरीनाम,मारीशस,फीजी आदि देशों में हिंदी भाषा के बढ़ते चरण पर आलोकपात किया। व्यापार के लिहाज से हिंदी की पूछ परख वर्तमान में काफी बढ़ी है इसमें कोई शक नहीं।

डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा, हिंदी प्राध्यापक ने भी एमसीएल में हिंदी की विकास यात्रा में हर अधिकारी एवं कर्मचारियों को खुले मन से बेझिझक सहयोग देने का आहवान किया तभी यूएनओ में हिंदी भाषा शामिल करने का हमारा दावा मजबूत होगा।

इस दौरान श्री ओ.पी. मिश्र, मुख्य प्रबंधक(सिविल) ई-प्रोक्योरमेंट विभाग ने अपने कविता से श्रोताओं को मंत्र-मुग्ध कर दिया गया।

कार्यक्रम का संचालन श्री बी. आर. साहू कलिहारी, सहायक प्रबंधक(सचिवीय/राजभाषा) ने किया। श्री मुक्तेश्वर सोनकुसरे,अनुवादक ने अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की।

बी.सी.त्रिपाठी
प्रो.के.पी.गुप्त

बी.सी.त्रिपाठी
प्रो.के.पी.गुप्त

MCL
MCL
विश्व हिन्दी दिव
राजभाषा सेमिनार